(ख) केवल कार्बोनिटेड मादक पेयों में ही सैकरीन का एक कृत्रिम मीठे के रूप में उपयोग करने की अनुमति दी जाती है और अन्य किसी खाद्य पदार्थ में नहीं। अब तक विश्व के सभी देशों से मिली सूचना से पता चलता है कि सैकरीन आमतौर पर उपयोग किया जाने वाला एक कृत्रिम मीठा है तथा ऐसी कोई वैज्ञानिक रिपोर्ट उपलब्ध नहीं है जो यह बताये कि इस से कैंसर हो जाता है अथवा इसका कोई अन्य क्षतिकारक प्रभाव होता है।

पौड़ी गढ़वाल का पौड़ी अस्पताल

6168. **श्री अर्जुन सिंह भदौरिया**: क्या **स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन, निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्री** पौड़ी गढ़वाल में पौड़ी अस्पताल के बारे में दिसम्बर, 1969 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2110 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अपेक्षित जानकारी इस बीच एकत्र कर ली गई है;

(ख) यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो बिलम्ब के क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री ब० सू० मूर्ति): (क) जी, हाँ।

(ख) आवश्यक सूचना का एक विवरण संलग्न है।

(ग) यह प्रश्न नहीं उठता।

विवरण

अस्पताल में औषधियों का भण्डार पर्याप्त है और निर्धन एवं जरूरतमन्द रोगियों को औषधियाँ सदा अस्पताल से ही दी जाती हैं। कुछेक मामलों, में, सम्पन्न रोगियों को, जो औषधियाँ खरीद सकते हैं केवल उन्हीं औषधियों को खरीदने के लिये कहा जाता है जो अस्पताल के भण्डार में न हों। अस्पताल से बाजार में कोई औषधि नहीं बेची जाती।

पौड़ी गढ़वाल (उत्तर प्रदेश) में परिवार नियोजन केन्द्र

6169. **श्री अर्जुन सिंह भदौरिया**: क्या **स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास** मंत्री पौड़ी गढ़वाल (उत्तर प्रदेश) में परिवार नियोजन केन्द्रों के बारे में 1 दिसम्बर, 1969 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2109 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या अपेक्षित जानकारी राज्य सरकारों से इस बीच एकत्र कर ली गई है;

(ख) यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो विलम्ब के क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मंत्री (श्री के० के० शाह): (क) और (ख). उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, राज्य सरकार पिछड़े इलाके की कठिनाइयों के प्रति भलीभांति सचेत है और उसने वहाँ पहले ही चिकित्सा और स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं की व्यवस्था की हुई है। गढ़वाल जिले में 19 अस्पताल और औषधालय काम कर रहे हैं जिनमें एक रति रोग क्लीनिक, पाँच प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र और 13 आयुर्वेदिक औषधालय हैं। राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम और राष्ट्रीय चेचक उन्मूलन कार्यक्रम सम्पूर्ण जिले में चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा राज्य सरकार ने एक एलोपैथिक औषधालय, पौड़ी में एक क्षय-रोग क्लीनिक, नौ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और एक आयुर्वेदिक औषधालय खोलने की मंजूरी दी है। इस क्षेत्र में और अधिक सुविधाओं की व्यवस्था करने के भी प्रस्ताव हैं। राज्य सरकार ने यह भी सूचित किया है कि जिले के किसी भी हिस्से में चिकित्सा और स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं के अभाव के कारण मृत्यु होने के समाचार नहीं मिले हैं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।